



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 213]

नई दिल्ली, बुधवार, मई 24, 1995/ज्येष्ठ 3, 1917

No. 213]

NEW DELHI, WEDNESDAY, MAY 24, 1995/JYAISTHA 3, 1917

खाद्य मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 24 मई, 1995

सा.का.नि. 418 (अ) :—केन्द्रीय सरकार, भाण्डागारण निगम अधिनियम, 1962 (1962 का 58) की धारा 19 की उपधारा (1) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और महाराष्ट्र सरकार से परामर्श करने के बाद, महाराष्ट्र राज्य भाण्डागार निगम की प्राधिकृत पर्जी की अधिकतम सीमा बढ़ाकर आठ करोड़ रुपये करती है, जो प्रत्येक एक सौ रुपये के अंकित मूल्य के आठ लाख जेयर्स में विभक्त होगी।

[फा. सं. 7-10/91-संग्रह]

मुषमा नाथ, संयुक्त सचिव

टिप्पणी :— महाराष्ट्र राज्य भण्डारण निगम के संबंध में पहले निर्माबिखित आदेश जारी किए गए थे :

- (1) सा.का.नि. ————— दिनांक 17-5-1978
- (2) सा.का.नि. 75(ई) दिनांक 20-2-81
- (3) सा.का.नि. 504(ई) दिनांक 17-3-1986

## MINISTRY OF FOOD

### ORDER

New Delhi, the 24th May, 1995

**G.S.R. 418(E).**—In exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (1) of section 19 of the Warehousing Corporation Act, 1962 (58 of 1962), the Central Government, after consultation with the Government of Maharashtra, hereby increases the maximum limit of the authorised capital of the Maharashtra State Warehousing Corporation to eight crores of rupees, divided into eight lakh shares of the face value of one hundred rupees each.

[F. No. 7-10/91-SG]

SUSHAMA NATH, Jt. Secy.

**NOTE :** The following orders were issued earlier in relation to the Maharashtra State Warehousing Corporation :

- (1) G.S.R. ——— dated 17-5-1978
- (2) G.S.R. 75(E) dated 20-2-1981
- (3) G.S.R. 504(E) dated 17-3-1986.